VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड / Test Code : 2488

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0356415

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Mohan Lal

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
हिंदी

तारीख
Date
25th Aug 2023

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre Jaipur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/ धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

(1) "टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है"

यह 1940 के दशक की घटना है जब ब्रिटिश शक्ति द्वितीय विश्वयुद्ध में संलग्न थी। जैसे-जैसे युद्ध लंबे दौर से गुजर रहा था एक वयस्क महाशक्ति के रूप में ब्रिटेन की रीढ की हड्डी उसकी अर्थव्यवस्था टूटती जा रही थी। और अंततः युद्ध जीतने के बावजूद भी एक वयस्क देश के रूप में उसकी आर्थिक, सामाजिक

तथा राजनीतिक शक्ति का पतन उसकी टूटती हुई स्थिति को दर्शाता है।

वहीं इसी समय अनेक औपनिवेशिक राज्यों का उदय एक सुन्दर मन व विचारों वाले बच्चों के रूप में हुआ। चूंकि ये राज्य पहली बार स्वतंत्रता का अनुभव कर रहे थे इसलिए परिवर्तन के प्रति लोचशीलता तथा खुलापन अधिक होने के कारण मजबूत राष्ट्र के रूप में उदय हुए। इस तरह भारत जैसे मजबूत बच्चों रूपी राष्ट्र का निर्माण जबकि ब्रिटेन रूपी वयस्क राष्ट्र की टूटती तत्कालीन स्थिति यह दर्शाती हैं कि टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान हैं।

यह स्थिति न केवल राष्ट्र स्तर पर बल्कि उपराष्ट्रीय, सामाजिक व्यक्तिगत, राजनीतिक, आर्थिक इत्यादि कई क्षेत्रों में दिखाई देती हैं। इसलिए अब हम इसके विभिन्न आयामों तथा कार्यक्षेत्रों पर चरण दर चरण चर्चा करेंगे।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चूंकि एक वयस्क व्यक्ति पूर्वधारणा, पूर्वअनुभव, विचारों, मूल्यों अथवा विश्वासों से पहले से ही परिचित रहता है जबकि अवयस्क बच्चों में इन सभी रचनात्मक तथा विश्लेषणात्मक कार्यों के प्रति प्रिया की सामान्यतया कमी पायी जाती है।

इसलिए यदि हम व्यक्तिगत स्तर पर गौर करें तो हमें यह नजर आता है कि वयस्क व्यक्तियों में नकारात्मक विश्वासो अथवा मूल्यों से उनकी सकारात्मक बदलावों के प्रति झुकाव हेतु मरम्मत करने में अधिक ऊर्जा खर्च होती हैं। जैसे कश्मीर में आंतकवाद में संलिप्त वयस्क मानवीय मूल्यों के प्रति टूटा हुआ है जिसे मुख्य धारा में शामिल करने में अधिक संसाधन, ऊर्जा तथा समय की आवश्यकता होगी।

दूसरी तरफ नवाचारों के प्रति आतुर, सीखने के प्रति दृढता जैसी बच्चों की मनोवृत्तियां यह दर्शाती हैं कि

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बच्चों में मानसिक खुलापन उनमें मूल्य आधारित विश्वासों तथा शिक्षाओं के प्रति अधिक अनुकूल बनाता हैं इसलिए मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान हैं। जैसे - गाँधीजी की सहिष्णुता तथा सर्वोदय की संकल्पना से सहिष्णु युवा पीढी का निर्माण होना।

इसी प्रकार समाज में भी यही स्थिति नजर आती हैं जहाँ एक ओर सामंतवादी तथा बन्द सामाजिक व्यवस्था ने सामाजिक वयस्कता को कमजोर किया। जैसे सती प्रथा, शिशु वध, बाल-विवाह इत्यादि ने सामाजिक संबंधो की कमर तोड़ी। इसी समस्या के मरम्मत हेतु 16वीं सदी से चले आ रहे सामाजिक सुधार आंदोलन आज भी जारी हैं जो यह दिखाता हैं कि टूटे हुए वयस्क के रूप में भारतीय समाज की मरम्मत करना न केवल आसान काम है, बल्कि एक जटिल, चुनौतियों तथा बाधाओं से भरा हुआ हैं।

वहीं दूसरी ओर नए सामाजिक मूल्यों में आने वाली बाधाओं का समाधान करना अधिक आसान है। जैसे- वैश्वीकरण के कारण उदय हुए नए सामाजिक वर्गों यथा युवा वर्ग, मध्यम वर्ग, श्रमिक वर्ग इत्यादि में आधुनिक सामाजिक मूल्यों की स्थापना करना अपेक्षाकृत आसान प्रक्रिया है।

इसी प्रक्रिया की अगली तार राजनीतिक विचारों, पद्धतियों तथा विचारधाराओं से जुड़ी हुई है। मध्यकालीन राजनीतिक व्यवस्था की तानाशाही, राजशाही तथा अलोकतांत्रिक पद्धतियों ने स्वतंत्रता, व समता का गला घोंटकर उसे तोड़ दिया था जिसे मरम्मत करना आसान नहीं था। लंबे प्रयासों यथा फ्रांसीसी, अमेरिकी, रूसी क्रांति तथा भारतीय स्वतंत्रता क्रांति द्वारा ही इनका मरम्मत किया जा सका।

लेकिन नए राजनीतिक विचारों जैसे संसदीय व्यवस्था, राष्ट्रपति प्रणाली

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार जैसे मजबूत मूल्य तभी निर्मित हुए जब इन्हें मजबूत बच्चों के रचनात्मक दिमाग की तरह राजनीतिक स्वतंत्रता व समता के प्रयोग हेतु उर्वर जमीन प्राप्त हुई

ज्ञातव्य हैं वर्तमान वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था का लोकतांत्रिकीकरण तथा समांगीकरण यह अहसास कराता है कि यदि संसाधन तथा प्रयासों को नवाचारों एवं समावेशिता की ओर मोड़ा जाए तो मजबूत बच्चों की तरह राजनीतिक स्वतंत्रता तथा अधिकारों की प्राप्ति करना आसान हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चली आ रही घटनाएँ भी यह दिखाती हैं कि टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान हैं। उदाहरण के तौर पर पाकिस्तान के उदय के 75 वर्ष बाद भी वह आर्थिक दिवालियापन,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राजनीतिक रूप से अस्थिर तथा सामाजिक रूप से आंतकवाद तथा कट्टरवाद से ग्रसित हैं जिसकी मरम्मत हेतु वित्तीय कार्रवाई टास्क बल, आईएमएफ जैसी संस्थानों ने अनेक प्रयास किए जो आज भी जारी हैं।

वहीं आसियान देशों की स्वायत्तता, स्थिरता तथा संवृद्धि दर्शाती हैं कि यहाँ की स्वतंत्र तथा प्रगतिशील जनता ने मजबूत कदमों के रूप में अपने राष्ट्रों को निर्मित किया हैं जो चीन जैसी वैश्विक शक्ति द्वारा उत्पन्न संप्रभुता के मुद्दे पर टक्कर दे रहे हैं।

इसी प्रकार आर्थिक प्रक्रियाओं के विकास, परिवर्तन तथा संक्रमण की अवस्थाएँ भी इसी बात को सिद्ध करती हैं कि पूरी बाजार आधारित समिश्रवादी अर्थव्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन करना आसान नहीं था लेकिन विश्व युद्ध के बाद उपजी महामंदी ने हमें अन्य मजबूत विकल्पों की ओर विवश किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रत्युत्तर में वर्तमान कल्याणकारी लोकतांत्रिक राज्य अर्थव्यवस्था का विकास हुआ जिसकी शुरुआत कीन्स के विचारों से हुई। इस तरह एक मिश्रित समाजवादी- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था रूपी मजबूत बच्चों का निर्माण आसान हुआ।

वर्तमान वैश्विक आर्थिक प्रक्रियाऐं जिसमें वैश्वीकरण के बहुआयामी तत्वों का समावेश इसी मरम्मत का परिणाम हैं। आर्थिक प्रक्रियाओं का एकीकरण, वितरण तथा सीमापार आवाजाही यह दर्शाते हैं कि अर्थव्यवस्था रूपी मजबूत बच्चों का निर्माण अधिक आसान हैं जो पहले एक अंतराल से गुजर रहे थे।

वैज्ञानिक, तकनीकी विकास हेतु युरोपीय पुनर्जागरणवाद तथा आधुनिक खोजों ने उस उर्वर गर्भ का निर्माण किया जिसमें मजबूत बच्चों के रूप में आधुनिक तकनीकी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

का विकास हुआ। जैसे - मशीनीकरण, कम्प्युटीकरण, औद्योगीकीकरण 4.0 इत्यादि

वहीं आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था काल में विज्ञान की कमर उस हद तक टूटी हुई थी जिसे मरम्मत करने में हजारों वर्ष लग गए। उदाहरण के तौर पर भारत में प्राचीन काल के वैज्ञानिक, चिकित्सीय तथा तकनीकी महानता के बावजूद मध्यकाल में आई गिरावट यह दर्शाती हैं कि टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान हैं।

इस प्रकार यदि हम पर्यावरणीय आयामों पर चर्चा करें तो यह दृष्टिगोचर होता हैं कि औद्योगिकीकरण के कारण हुए कार्बन स्तर में वृद्धि तथा परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन ने वैश्विक पर्यावरणीय कमर को तोड़ दिया हैं। और आईपीसीसी की छठवीं आंकलन रिपोर्ट के अनुसार

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस टूटे हुए वयस्क रूपी पर्यावरण की मरम्मत हेतु 2030 तक 30 ट्रिलीयन डॉलर धन के साथ-साथ 100 वर्षों का समय लगेगा।

जबकि हरित विकास, हरित प्रौद्योगिकी, शमन व अनुकूलन द्वारा स्वच्छ पर्यावरण रूपी मजबूत बच्चों का निर्माण अधिक आसान रहता जहाँ पर्यावरणीय स्मार्ट गतिविधियों पर जोर दिया जाता है।

हालांकि इन सब के बावजूद यह भी संभव है कि यदा-कदा टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करना भी आसान हो। जैसे- सत्य की राह से भटके युवा हो या मानसिक अवसाद से ग्रसित व्यक्ति, उचित कांउसलिंग प्रक्रिया द्वारा उसकी मरम्मत करना आसान हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आर्थिक, राजनीतिक व अन्यों क्षेत्रों में भी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऐसे कई उदाहरण नजर आते हैं जहाँ टूटे हुए वयस्क की तरह मरम्मत करना आसान होता है। जैसे - 1991 में भारत की आर्थिक स्थिति की बदहालता तथा 30 वर्ष बाद पाँचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना यह दर्शाता हैं कि कर्मठता, कर्तव्यनिष्ठता जैसे गुण वयस्क की भी जल्द मरम्मत कर देते हैं। जैसे स्वामी विवेकानन्द ने भी कहा था कि "यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त तथा सुन्दर मनों वाला बनाना हैं तो तीन व्यक्ति इसमें अन्तर ला सकते हैं वह हैं माता, पिता तथा शिक्षक"

अतः सभी राष्ट्रों को तथा वैश्विक समाज को प्रयासों में अभिसरण द्वारा दीपक रूपी सृजनशील विश्व के निर्माण में योगदान देना चाहिए जहाँ मजबूत बच्चों के रूप में विश्व खुला, पारदर्शी तथा नियम आधारित व्यवस्था को अपनाता हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इससे वैश्विक जगत के उन सभी विखण्डित तत्वों की मरम्मत करना आसान होगा जिससे वयस्क संसार तथा मजबूत बच्चों रूपी राष्ट्रों की प्रगति, संवृद्धि तथा संधारणीयता सुनिश्चित हो ताकि एक विश्व - एक पृथ्वी - एक भविष्य - एक परिवार तथा वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे मूल्यों का विकास हो

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

P.T.O

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

(8) अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

लोंगेवाला के शूरवीरों की वीरता हम सभी ने सुनी होगी। यह वर्ष 1971 की लड़ाई की बात है जब पाकिस्तानी सेना ने पश्चिमी भारत में राजस्थान के बॉर्डर पर युद्ध की शुरुआत कर दी और स्थान था लोंगेवाला। चूँकि अचानक हुए इस हमले के कारण भारतीय वायु सेना उसी समय रात्रिकाल में अपने लक्ष्यों तक नहीं पहुँच पाई।

इस समय लोंगेवाला पोस्ट के 120 जवानों ने हजारों पाकिस्तानी सैनिकों को भारतीय भूमि में घुसने से रोका था क्योंकि भारतीय जांबाजों ने अपनी भारती माता की रक्षा के लिए अपना चेहरे हमेशा लक्ष्य रूपी रोशनी की ओर रखा जिससे राष्ट्र सुरक्षा रूपी भाव के रूप में उन्हें सकारात्मक ऊर्जा मिलती रही तथा पीछे मुड़के उस रोशनी की छाया को नहीं देखा जिसका परिणाम था जंग जीतना।

इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने लक्ष्यों रूपी रोशनी की ओर चेहरा रखना चाहिए ताकि सफलता को चूम सकें न कि उसकी छाया की ओर जहाँ अंधकार, असफलता, कुंठा, हीनता तथा कायरता का स्थान है। इस संबंध में विवेकानन्द जी का प्रेरणादायक कथन- "उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो" भी यही सिखाता हैं कि

व्यक्ति को अपने लक्ष्य को केन्द्र में रखकर निरंतर कार्यशील एवं प्रगतिशील राह चुननी चाहिए जिसका पथ रोशनी से रोशन हो। तथा व्यक्ति को अपने लक्ष्य प्राप्ति तक पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए जो हताशा का अहसास कराऐ। इसलिए चेहरा रोशनी की ओर रखने पर असफलता रूपी छाया नहीं दिखेगी।

यदि हम प्राचीन भारतीय पुराणों व महाभारतकाल के दौर में जाए तो अर्जुन के तीर की कहानी जिसमें गुरु द्वारा पूछने के बावजूद भी अर्जुन का यह बताना कि उसे केवल चिड़ियाँ की आँख ही नजर आती है, यह दिखाता है कि व्यक्ति को अपना नजरिया रोशनी रूपी सफल लक्ष्य की ओर रखना चाहिए न कि रोशनी के विपरीत छाया की ओर।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान समय में भी अनेक परिस्थितियों, लोगों तथा घटनाओं में भी यही नजर आता हैं कि सफलता के रोशनी में जीने हेतु असफलता की छाया का सोचे ही नहीं। इसलिए अब हम यह चर्चा करेंगे कि आखिर इस रोशनी रूपी सफलता तथा छाया रूपी असफलता के क्या-क्या आयाम हैं, इसकी क्या सीमाएँ हैं, यह व्यक्ति तथा समाज को कैसे प्रभावित करता है, इत्यादि।

व्यक्तिगत स्तर पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवाद तथा अधिकतम चाह की इच्छा के कारण यह जरूरी हैं कि व्यक्ति को निरन्तर उस सकारात्मक रोशनी की ऊर्जा प्राप्त हो जिससे वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें न कि असफल होकर रोशनी के विपरीत छाया में स्वयं को खो बैठे।

जैसे महात्मा गाँधी को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अंग्रेजो द्वारा जेलों में रखने तथा भगतसिंह को फांसी की सजा के बावजूद दोनों महापुरुषों ने हमेशा स्वतंत्रता चाह की रोशनी की ओर देखा न कि व्यक्तिगत हित रूपी उस छाया की ओर जहाँ वह विलायसती जीवन जिए।

आज के प्रतिस्पर्धी युग में भी एक अभ्यर्थी को अपना लक्ष्य हमेशा रोशनी की तरफ रखना चाहिए जैसे अकबर के नवरत्नों में से एक बीरबल ने भरी ठंड में एक दीपक पर अपनी नजर जमाए रखी। तभी वह उस रोशनी की ऊर्जा को ग्रहण कर जीवन में सफल होंगे न कि उसकी छाया की ओर देखकर, जिसमें वह अंधकार में खो जाएंगे।

इसी प्रकार समाज की प्रगति, विविधता तथा बहुलता हेतु भी यह जरूरी हैं कि समाज को हमेशा अपना चेहरा सहिष्णुता, सम्मिलन, समानता तथा स्वतंत्रता की ओर रखना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चाहिए ताकि समाज रोशनी की ज्वाला से प्रज्वलित हो तथा सामाजिक बंधन एवं सौहर्द रूपी लक्ष्य प्राप्त हो। जबकि समाज को उन रूढ़िवादी तत्वों, महिला बन्धनों तथा अस्पृश्यता जैसे अमानवीय कार्यों से दूर रहना होगा तभी अंधकार की छाया नहीं दिखेगी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय समाज की सहिष्णुता तथा करुणा के भाव ने उसे हमेशा रोशनी की ओर रखा उसी का परिणाम था कि भारतीय समाज में अनेक वैश्विक आधुनिक मूल्य समाहित हुए तथा ग्लोबलाइजेशन एवं ग्लोकलाइजेशन का सम्मिलन हुआ।

वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे तत्व भी मौजूद हैं जो यह दिखाते हैं कि समाज के कुछ मूल्य अभी भी छाया की ओर हैं। जैसे- असमानता, लैंगिक भेदभाव, ऊँच-नीच की भावना आदि। ये नकारात्मक मूल्य

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

सामाजिक जकड़ता, अंधविश्वास तथा कुरीतियों को जन्म देते हैं जिससे समाज का चेहरा रोशनी की तरफ न होकर उसकी छाया की ओर आ जाता हैं और परिणाम के रूप में सामाजिक हिंसा, भ्रष्टाचार, मार-काट तथा संवेदनहीनता नजर आती है।

वहीं यदि हम आर्थिक उद्यमिता पर चर्चा करें तो यह सिद्ध होता है कि जिन देशों में उद्यम अनुकूल परितंत्र, जोखिम क्षमता तथा निर्णय भागीदारिता उच्च हैं वहाँ आर्थिक सम्पन्नता का चेहरा रोशनी की ओर होता है। जैसे वर्तमान में भारतीय स्टार्टअपस् की सफलता का कारण निवेशकों की जोखिम क्षमता तथा अनुकूल स्टार्टअप नीति स्टार्टअप योजना हैं जिसने रोशनी का कार्य किया है।

जबकि दूसरी तरफ कुछ ऐसे भी राष्ट्र हैं जिन्होंने रोशनी रूपी अवसर की जगह चुनौती रूपी छाया का

मार्ग चुना जिससे उनकी आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ मानव पूँजी का भी ह्रास हुआ। जैसे- रूस-युक्रेन युद्ध ने कोविड-19 के असर के बावजूद हिंसा की राह चुनी जिसके परिणाम में अवसंरचना क्षति, जनहानि तथा सॉफ्ट पावर क्षति रूपी छाया की प्राप्ति हुई।

ऐसा ही नजरिया हमें साम्राज्यवादी तथा उपनिवेशवादी ताकतों के विरुद्ध नजर आता है। जहाँ स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वाधीनता व आत्मबल के जरिए स्वतंत्रता रूपी रोशन लक्ष्य की ओर ही अपनी नजर रखी तथा उसी का परिणाम विऔपनिवेशीकरण था।

यदि हम तकनीकी तथा वैज्ञानिक विकास पर चर्चा करें तो हमें नजर आता है कि 'असफलता एक प्रयोग है, जो सफलता की कुँजी है'। थॉमस ने बल्ब निर्माण हेतु सैकड़ो प्रयोग किए लेकिन उसने अपने प्रयोगों में उस सफलता रूपी रोशनी को देखा

जिससे अंततः लक्ष्य के रूप में बल्ब की खोज हुई।

वर्तमान समय में बढ़ता तकनीकी विकास जैसे- वेब 3.0, कृत्रिम बुद्धिमता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स इत्यादि भी यही दिखाता है नवाचारों, अनुसंधान तथा विकास के दौर में वैज्ञानिक समाज ने अपना चेहरा नए आविष्कार रूपी रोशनी की ओर रखा है, उसी का परिणाम है औद्योगिकीकरण 4.0।

इन सभी आयामों के बावजूद हमें पर्यावरण के आयाम पर गौर करना आवश्यक है क्योंकि रोशनी की ओर चेहरा रखने के बावजूद भी आज जलवायु परिवर्तन, ओजोन क्षरण, वैश्विक तापन की छाया में विश्व क्यों डूबा हुआ है।

ज्ञातव्य है कि विकास के अन्धाधुंध प्रयासों ने पर्यावरणीय क्षति को बढ़ाकर विश्व के चेहरा छाया की ओर मोड़ लिया है उसी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

का परिणाम है- असंधारणीय विकास, महामारी, तापन वृद्धि, ग्लेशियर का पिघलना आदि।

इस प्रकार इन सभी छाया रूपी चुनौतियों की पहचान कर उनके समाधान की ओर बढ़ने के प्रयास करने होंगे तभी विश्व का चेहरा रोशनी की ओर होगा तथा अंधकार की समाप्ति होगी।

इस हेतु अनेक प्रयास भी हुए हैं जैसे- आर्थिक विकास एवं संवृद्धि के रूप में रोशन वैश्विक चेहरे के लिए वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ की स्थापना। वहीं पर्यावरणीय रोशन चेहरे हेतु पेरिस समझौता, ग्लासगो क्लाइमेट पैक्ट जैसे कदम भी उठाए गए हैं जो यह आदर्श स्थिति दिखाते हैं कि 'प्रकृति आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है परन्तु लालच का नहीं'।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

अतः संपूर्ण विश्व, राष्ट्रों, राज्य तथा क्षेत्रीय स्तर पर वैश्विक विकास के चेहरे को रोशनी की ओर रखने हेतु बहुपक्षवाद, शांति-सहअस्तित्व, वैश्विक संस्थानों का सुधार सुनिश्चित करना होगा तभी संधारणीय तथा समावेशी विकास द्वारा गरीबी, भुखमरी जैसी काली छायाओं का अंत होगा तथा एक विश्व एक घर दृष्टिकोण रूपी रोशन चेहरे का निर्माण होगा।

"रोशनी हैं तो ऊर्जा है,
ऊर्जा है तो शक्ति है।
शक्ति है तो सामर्थ्य है,
सामर्थ्य है तो संधारणीयता है।
संधारणीयता हैं तो विकास है।।

—xxx— —xxx— —xxx—

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

पाकिस्तान

मुहम्मद अली Vs मौलाना आजाद

सांप्रदायिक

प्रधानमंत्री स्तर

आर्थिक स्तर पर

धार्मिक स्तर

पर्यावरण

वयस्क

बाघ

नवाचार

① ब्रिटिश Vs India

←: व्यक्तिगत स्तर

समाज के स्तर

आदर्श

अवसरवाद ⇒ आत्म

राजनीति

स्वार्थ विरोध ③

व्यक्ति

राज निर्णय

दूसरों का निर्णय

असफलता

लोगवाला